ऊँचे ऊँचे पहाड़ो पे

धुन- साँवरे से मिलने का
ऊँचे ऊँचे पहाड़ो पे, मईया जी का बसेरा है ॥
हो नीचे हम रहते। ऊपर मईया जी का डेरा है,
ऊँचे ऊँचे पहाड़ो पे, मईया जी का बसेरा है।

मईया जी के द्वारे पे, अँधा पुकार रहा।
हो अंधे को आंखे दो। उसे तेरा ही सहारा है,
ऊँचे ऊँचे पहाड़ो पे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मईया जी के द्वारे पे, कोढ़ी पुकार रहा।
हो कोढ़ी को काया दो। उसे तेरा ही सहारा है,
ऊँचे ऊँचे पहाड़ो पे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मैया जी के द्वारे पे, निर्धन पुकार रहा।
हो निर्धन को माया दो। उसे तेरा ही सहरा है,
ऊँचे ऊँचे पहाड़ो पे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मईया जी के द्वारे पे, बाँझन पुकार रही।
हो बाँझन को पुत्र दो। उसे तेरा ही सहारा है,
ऊँचे ऊँचे पहाड़ो पे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मईया जी के द्वारे पे, कन्या पुकारी रही।
हो कन्या को वर घर दो। उसे तेरा ही सहारा है,
ऊँचे ऊँचे पहाड़ो पे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मईया जी के द्वारे पे, भक्त पुकार रहे।
हो भक्तों को दर्शन दो। उन्हें तेरा ही सहारा है,
ऊँचे ऊँचे पहाड़ो पे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15117/title/uche-uche-pahaado-pe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |